श्री जयन्ती लाल बरोट (गुजरात) : सभापति महोदय ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठिए। आप बैठ जाइए। वे भी बैठ जाएंगे, आप भी बैठ जाइए। मैं उनको बैठाता हूं। यह शर्त मत रखिए कि ये बैठेंगे तभी बैठूंगा - यह शर्त मत रखिए। ...**(व्यवधान)**... अर्जुन सिंह जी, बोलिए।

SHRI ARJUN SINGH (Madhya Pradesh) : Hon. Chairman, Sir, we sat through the speech of the hon. Parliamentary Affairs Minister. I did not raise my voice even once, because I was looking forward to a rational reply to the points raised by hon. Pranab Mukherjee. ...*(Interruptions)*...

श्री जयन्ती लाल बरोट : आपके बोलने से क्या फर्क पड़ेगा?

श्री अर्जुन सिंह : मत मानिए।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): Sir, there could not have been a more rational reply than this.

SHRI ARJUN SINGH: Yes, but I can understand that in the panic that has ensued in this Government, she got the wrong briefing. ..(Interruptions)..

श्री सभापति : चलिए, बस हो गया।

श्री एम0 वेंकैया नायडु (कर्णाटक) : जनता के पास जाएंगे, उसमें पैनिक कहां से आया?

श्री सभापति : आप जाइए ना, ये कब मना कर रहे हैं?

श्री एम0 वेंकैया नायडु : ये तो पैनिक हो रहे हैं!

श्री सभापति : ये पैनिक हो रहे हैं तो उसका इलाज आपके पास है क्या? Now, Supplementary Demands for Grants (Railways) 2003-04.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (RAILWAYS) 2003-04

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): Sir, I beg to lay on the Table a Statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (Railways) for the year 2003-04.

[THE DEPUTY CHAIRMAN in the Chair]

PRIVATE MEMBER'S RESOLUTION

Declaring States of Chhattisgarh, Uttaranchal and Jharkhand as Special Category States

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया (झारखंड) : उपसभापति महोदया, मैं निम्नलिखित संकल्प उपस्थित करता हूं:-

"कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि छत्तीसगढ़, उत्तरांचल और झारखंड राज्य, जो घनी जनजातीय और पिछड़ी जनसंख्या के सामाजिक आर्थिक विकास के चिर स्वप्न को पूरा करने के लिए हमारे संघ के क्रमशः 26वें, 27वें और 28वें राज्य के रूप में नवम्बर, 2000 में अस्तित्व में आए और इन राज्यों के अनेक क्षेत्रों की जनता निम्नलिखित तथ्य के बावजूद सामाजिक, आर्थिक और वैज्ञानिक विकास या प्रौद्योगिकीय प्रगति से वंचित बनी हुई है कि :-

(iii) इन राज्यों में कोयले, लौह अयस्क, चूना पत्थर और अन्य खनिज संसाधनों के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत उपलब्ध हैं;

(iv) वहां जड़ी बूटियों के अलावा उपयोग न किए गए जैव-विविध संसाधनों की अपार सम्पदा है;

(v) वहां बहुत सारे स्थान विशेषतः अपनी वनस्पति और जीव जन्तुओं के कारण पर्यटकों को आकर्षित करने की संभावना रखते हैं।

महोदया, यह सभा सरकार से आग्रह करती है कि वह :-

(i) झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तरांचल के आदर्श राज्यों के रूप में व्यापक विकास को सुकर बनाने के लिए उन्हें विशेष श्रेणी का राज्य घोषित करे, जैसाकि विजन 2020 दस्तावेज में परिकल्पित है;

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली राज्यों की लगभग अठहत्तर प्रतिशत जनसंख्या को लाभ पहुंचाने के प्रमुख उद्देश्य से व्यापक विकास हेतु अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों परिप्रेक्ष्यों से विशिष्ट समय सीमा के भीतर कार्यक्रम बनाए और कार्यान्वित करे;

(iii) इन राज्यों में सब ओर फैले दर्शनीय स्थलों नामतः झरनों, पर्वतों, पहाड़ियों, अभ्यारण्यों और पशुविहारों को देश के महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्रों के रूप में विकसित करने के लिए उनकी संभावनाओं का पता लगाए जिससे आम जनता के लिए व्यापक रोजगार सृजित करने के अतिरिक्त इन राज्यों के संबंधित क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा; और